515

Drishti Mentorship Programme (Mains)-2024

Essay

Name of Candidate: Siddharth Kr Meena	Subject/Code:	Essay
UPSC Roll No: 3600277	Date:	
Drishti Id:	E-mail Id:	
Centre: MuN	Medium:	Hindi

Test Code: Essay-09

Time allowed: Three Hours

Maximum Marks: 250

(To be filled by Evaluator only)		
	Max. Marks	Marks Obtained
	(Essay Topic No.)	(Marks)
Section-A		
Section-B		
Total		
Overall Feedback		

INSTRUCTIONS

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

- प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।
- प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।
- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

- The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
- Word limit, as specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

For Student Only				
Time Taken	Start Time:	End Time:	Student Signature	
Mode of Examination	Online	Offline		

For Office Use Only				
Evaluators Code	Evaluator Sign	Evaluation Date	Reviewers Code	Reviewers Sign

Feedback				
Sr. No	मापदण्ड/Parameters	Max. Marks	Section-A (Essay-1)	Section-B (Essay-2)
1.	**परिचय:** विषय और संलग्नता की स्पष्टता। **Introduction:** Clarity of theme and engagement.	10		
2.	**विषय वस्तु:** प्रासंगिकता, विश्लेषण की गहराई और उदाहरणों/साक्ष्यों का उपयोग। **Content:** Relevance, depth of analysis, and use of examples/evidence.	25		
3.	**संरचना और संगठन:** तार्किक प्रवाह, पैराग्राफ संरेखण और विचारों की सुसंगतता। **Structure and Organization:** Logical flow, Paragraph alignment and Coherence of ideas.	20		
4.	**प्रासंगिकता:** विषय से विचलन की अनुपस्थिति, तर्क और पुष्टि/प्रमाणीकरण के बीच संतुलन **Relevance:** Absence of Deviation from Topic, Balance between argument and substantiation.	20		
5.	**भाषा और अभिव्यक्ति:** स्पष्टता, व्याकरण, वाक्यविन्यास, शब्दावली और अभिव्यक्ति **Language and Expression:** Clarity, Grammar, Syntax, Vocabulary and Articulation	20		
6.	**निष्कर्ष:** तर्कों और निष्कर्ष का प्रभावी सारांश। **Conclusion:** Effective summary of arguments and conclusion.	10		
7.	**मौलिकता और रचनात्मकता:** विचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति में नवीनता। **Originality and Creativity:** Innovation in thought and creative expression.	20		
	कुल: Total:	125		

*** UPSC Requirement for Essay Paper:**

Candidates may be required to write essays on multiple topics. They will be expected to keep ***closely to the subject*** *of the essay to* ***arrange their ideas in orderly fashion*** *and to* ***write concisely.*** *Credit will be given for* ***effective and exact expression.***

*** निबंध पेपर के लिए यूपीएससी की अपेक्षा:**

उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिये जायेंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के ***विषय के निकट*** *रखते हुए* ***क्रमबद्ध*** *करें तथा* ***संक्षेप*** *में लिखें। **प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों*** *के लिये श्रेय दिया जायेगा।*

Copyright – Drishti The Vision Foundation

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों का हो :

Write two essays, choosing one topic from each of the following Sections A and B, in about 1000-1200 words each: (125 × 2 = 250)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खंड-A/SECTION-A

Topic: "चूँकि हम भावी पीढ़ियों के बारे में नहीं सोचते, इसलिये वे हमें कभी नहीं भूलेंगे।"

एक बार एक जंगल में भयानक आग लगी, जिससे सारे जंगल में त्राहिमाम-त्राहिमाम के साथ जीवन संकट पैदा हो गया। सभी जानवर अपने-अपने जीवन की रक्षा के लिए सुरक्षित जगह पहुँचने का प्रयास कर रहे थे। उसी जंगल की एक चिड़िया अपनी चोंच में पानी भरकर आग पर डाल रही ~~थी~~ थी। ~~उ~~ चिड़िया के प्रयास को देखकर ऊँचे पेड़ पर बैठा बंदर चिड़िया का उपहास बनाते हुए बोला - अरे चिड़िया तुम क्या ही कर पाओगी?

इसकी प्रतिक्रिया में चिड़िया ने कहा मुझे नहीं पता मेरा प्रयास सफल होगा

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

या नहीं लेकिन जब भी भावी पीढ़ियां जंगल का इतिहास लिखेंगी तो मुझे आग बुझाने वालों के रूप मे याद किया जायेगा न कि आग लगाने वालों के रूप में।

वस्तुत: संपूर्ण कहानी के बाद सवाल यह भी पैदा होता है कि मात्र चिड़िया को याद किया जायेगा या उस फिर उस बंदर को भी जो भविष्य की पीढ़ी के बारे मे निष्क्रिय है या उस कुत्ते को भी जो हड्डी के लालच मे एक हल्की सुलगती लकड़ी को जंगल मे ले आया और आग लगने का मूल कारण बना।

अब आगे बढ़ने से पहले हमे भावी पीढ़ियां क्या होती हैं, समझना चाहिए। ~~दरस~~ दरअसल एक पीढ़ी जो जा चुकी है, एक पीढ़ी जो वर्तमान मे जीवित व सक्रिय है

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

व एक तीसरी पीढ़ी जो अभी भविष्य के गर्त मे है, उसका बनना अभी बाकी है। मूलत: भावी पीढ़ी से तात्पर्य वे सभी लोग या प्राणी हैं, जो अभी पैदा होना बाकी हैं।

वहीं भावी पीढ़िया हमे नहीं भूलेंगी का मूल भावार्थ है कि वे हमे याद करेंगी लेकिन किस रूप मे याद करेंगी यह एक अहम प्रश्न है। हमे बुरा या स्वार्थी या रावण कहकर याद करेंगी या नैतिक, अच्छा या राम कहकर।

अगर हम '~~भी~~ भावी पीढ़ियों के बारे मे न सोचते' का विश्लेषण करे तो भाव होगा कि या तो हम अपने ही स्वार्थ मे लिप्त हैं तथा भावी पीढ़ी के संसाधनो का अनैतिक दोहन करते हैं करते हैं या फिर हम निष्क्रिय रहकर केवल अपना जीवन जीते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

सतत विकास की धारणा यही कहती है कि धारणीय विकास तभी संभव है जब हम वर्तमान के लाभ के साथ भावी पीढ़ियों के बारे मे भी संतुलित रूप से सोचे।

अब विचार का अगला बिंदु यह है कि यदि हम भावी पीढ़ियों के बारे मे न सोचे तो वे हमे क्यों नहीं भूलेंगे या किस तरह याद करेंगे। आज हम नाजी जर्मनी के तानाशाह को उसके द्वारा पैदा की गई अमानवीयता व मानवता के नाश के लिए याद करते है, जो विश्व युद्ध का भी कारण बना।

वर्तमान संदर्भ मे देखे तो इजरायल-फिलस्तीन संघर्ष हो या यूक्रेन मे युद्ध हो, दोनों ही देशों मे आने वाली पीढ़ी न केवल उस हिंसा के कारक को

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

नकारात्मक रूप में याद करेगी बल्कि शेष संसार को भी उसकी निष्क्रियता के लिए दुत्कार देगी।

चाहे वह जलियांवाला बाग काण्ड का माइकल ओ डायर हो या बंगाल के द्वैध शासन की लूट हो या फिर आईएस-आईएस (ISIS) द्वारा फैलाई तबाही हो, हम या आने वाली पीढ़ी इन्हें कभी नहीं भूलेंगी।

पर्यावरण के संदर्भ में देखें तो मानव द्वारा औद्योगिक क्रांति के बाद संसाधनों का दोहन भावी पीढ़ियों को ध्यान में रखे बिना किया है, जिसका ही परिणाम है आज विश्व ट्रिपल ग्रहीय संकट के साथ 6th मास एक्सटेंशन की ओर बढ़ रहा है। बिल्कुल संभव है कि भावी पीढ़ी हमें

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कभी ना भूले व हमारी अमानवीयता के, स्वार्थपरकता, प्रकृतिशोषण सोच को याद करे। क्योंकि हम इनके लिए शक्ति या संसाधन नहीं बल्कि अशांति व अंत पैदा कर रहे हैं।

राजनीतिक संदर्भ मे देखे तो आज भारत सहित विश्व मे बढ़ती पदलोलुपता व सिद्धांतविहीनता जो सत्ता के लिए हिंसा, धार्मिक उन्माद, भेदभाव तक ले जाती है। जिसका परिणाम हम आज अफ्रीकी देशों मे सिविल वार, पलायन, तख्तापलट जैसे रूपों मे देख रहे हैं। आने वाली पीढ़िया इन्हे नहीं भूलेगी। कभी-कभी मैं सोचता हूँ उत्तर कोरिया के तानाशाह को क्या कभी वहाँ लोकतंत्र आने पर अच्छे शासक या इंसान के रूप मे याद करेंगे या

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इतिहास के तानाशाहों की तरह शोषण व दमन का प्रतीक बताकर गाली देंगे। शायद दूसरे संदर्भ में ही उन्हें याद किया जायेगा।

आज ऑक्सफैम रिपोर्ट व विश्व असमानता रिपोर्ट बता रही है कि विश्व के सबसे गरीब 50% जनसंख्या के पास मात्र 2% परिसंपत्तियाँ उपलब्ध हैं। यह एक भयावह विषमता को दिखाता है। जैसा कि मार्टिन लूथर किंग ने कहा -

"कहीं की भी गरीबी हर जगह की अमीरी के लिए खतरा है।"

हाल ही में बांग्लादेश में कुछ ऐसी ही आरक्षण संबंधी विषमता का परिणाम रहा देशव्यापी हिंसा व राजनीतिक अस्थिरता।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

क्या आगे आने वाली पीढ़ियाँ इस विषमता को बनाने वाले दौर को भूल पायेंगी। जहाँ सत्ता – राजनैतिक – बिजनेस गठजोड़ ने संसाधनो का खतरका दोहन किया। इन्होने भावी ही नहीं वर्तमान पीढ़ी के बारे मे नहीं सोचा। संभव है कि ना भूल पाये बल्कि कलयुग के रूप मे याद करे।

आगे बढ़कर यदि इसका विश्लेषण करे तो रावण द्वारा चाहे अपनी हठ के लिए लंका का नाश हो, या वर्तमान मे बढ़ते कठुआ कांड, निर्भया, से लेकर हाल ही मे कोलकाता महिला दुष्कर्म की घटना हो या फिर अंडमान निकोबार की 70000 साल पुरानी भाषा 'बो' को बोलने वाले अंतिम 'बोआ' की

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मौत हो।
हम सभी इन्हे कभी नहीं भूलेंगे व ना ही आने वाली पीढ़िया।

ध्यातव्य है कि जो लोग भावी पीढ़ियों के बारे मे सोचते हैं याद इन्हे भी किया जाता है। हाँ, यह बात जरूर है कि इन्हे हम सकारात्मक रूप मे गर्व के साथ याद करते हैं।

इतिहास के संदर्भ मे चाहे वो महात्मा बुद्ध का जीवन दर्शन हो, महात्मा गांधी का न्याय के लिए जीवन संघर्ष हो या फिर मदर टेरेसा द्वारा करुणामय मन से की गई सेवा हो, हम इन्हे भी नहीं भूलते हैं, बल्कि याद रखते हैं तथा ऊर्जा व ज्ञान का अनुभव प्राप्त करते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

"गाँधीजी का अंतिम व्यक्ति को याद कर किसी निर्णय पर आने का मंत्र हो या पर्यावरण के संदर्भ मे सीमित आवश्यकताओं का सिद्धांत हो, हम इन्हे आज शासन, प्रशासन सहित जीवन के हर क्षेत्र मे प्रयुक्त करते हैं।"

हाल ही मे एक यूरोपीय प्रवासी पक्षी जो ब्रिटेन मे मानव द्वारा अति शिकार के कारण लुप्त हो गया था, उसे वैज्ञानिको ने न केवल विज्ञान व प्रौद्योगिकी प्रयोग द्वारा संरक्षित किया, बल्कि उनकी पुरानी पीढ़ी अस्तित्व मे न होने के कारण स्वयं वैज्ञानिक फॉस्टर पेरेंटस के रूप मे उन्हे पूर्वजों की तरह प्रवास मार्ग सिखाने के लिए हवाई यंत्रो मे उड़कर मार्गदर्शन दे रहे हैं।

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

~~कि~~ विज्ञान से उपजी यह नई पीढ़ी हो सकता है अपने पुरानी पीढ़ी को कभी न जान पाये, लेकिन इन फॉल्टर पैरेंट्स को जरूर याद करेगी।

आगे बढ़कर देखे तो आज हम एम.एस. स्वामीनाथन, वर्गीस कुरियन को उनके नवाचारी सकारात्मक प्रयासों के लिए याद करते हैं।

"पुरानी पीढ़ी की बुराई को याद रखते हैं, इसलिए शायद ही किसी का नाम रावण रखा जाये लेकिन हम भारत मे राम नाम के लोगों के नाम देख सकते हैं।"

जो दिखाता है कि हम याद अच्छा व बुरा दोनो को रखते हैं।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

अब चाहे जलपुरुष राजेंद्र सिंह सिसोदिया हो या भ्रष्टाचार निवारण के लिए अन्ना आंदोलन हो या आर टी आई आंदोलन हो या मलाला युसुफजई के शिक्षा के लिए प्रयास हो या इसरो के साहसिक व नवाचारी कदम हो। हम ऐसे ही ढेरों उदाहरण हमारे दृष्टिफलक पर इतिहास से लेकर वर्तमान तक देख सकते हैं। जो दिखाते हैं कि हम इन लोगों को भी या कहे भावी पीढ़ी इन लोगों व समाजों को भी कभी नहीं भूलेगी जो वर्तमान में अच्छे कार्य कर रहे हैं।

वर्तमान दौर की आवश्यकता

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

यह है कि हम वर्तमान सहित भावी पीढ़ियों के प्रति संवेदनशील व आत्मीय बने तथा ऐसा संसार रचे जहाँ विपदा या बुराई आने पर उस चिड़िया की तरह सभी लोग इसके सक्रिय समाधान करते हुए भविष्य की पीढ़ी के हितों को सर्वोत्कृष्ट करें। तब कहीं जाकर हम एक ऐसा वसुधैव कुटुंब बन पायेंगे जहाँ सभी लोगों को भावी पीढ़ी अच्छे मन से याद रखेगी व भारतीय संस्कृति का ध्येय वाक्य चरितार्थ होगा -

" सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया
सर्वे भद्राणि पश्यंतु, मा कश्चिद् दुःख भाग्भवेत।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-1

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड-B/SECTION-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Topic:

(6) जब प्रेम रूपी सत्ता, सत्ता के प्रति प्रेम पर विजय प्राप्त कर लेगी, तो दुनिया को शांति का अनुभव होगा।

" ....

वो सिकन्दर क्या था जिसने जुल्म
से जीता जहाँ।
मौत सबकी है हि लिखी पर
प्यार से झुकता जहाँ।

वो मुकद्दर का सिकंदर जानेमन
कहलायेगा।
रोते हुए आते हैं, हँसता हुआ जो जायेगा
वो मुकद्दर का सिकंदर.......।"

1980 के दशक की हिंदी फिल्म 'मुकद्दर का सिकन्दर' के एक गाने से अवतरित ये बेशकीमती पंक्तियाँ

Copyright – Drishti The Vision Foundation

हमे समझा रही है कि सिकन्दर राजा ने सत्ता के बल पर जुल्म ढाह लोगो को झुकाया लेकिन शांति न ला सका। वही प्यार व प्रेम से संपूर्ण विश्व को विनम्र बनाया जा सकता है तथा दुनिया को शांति अनुभव करायी जा सकती है।

~~आगे~~

आज संसार एक ओर इजरायल ~~[illegible]~~ फिलिस्तीन मे संघर्ष व यूक्रेन युद्ध के रूप मे मानव अशांति देख रहा है वही अमेजन के जंगलों मे आग व ऑस्ट्रेलिया मे प्रवाल भित्ती (ग्रेट बॅरियर रीफ) का क्षय होकर जीव जगत मे अशांति को संकेत कर रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आगे बढ़ने से पहले सत्ता के प्रति प्रेम को यदि समझना चाहे तो पायेंगे कि सत्ता का तात्पर्य शक्ति से है। जिसे हम सामान्य अर्थों मे राजनीति मे कुर्सी व सरकार बनाने के रूप मे देख पाते हैं।

अगर हम देखें कि सत्ता के प्रति प्रेम कैसे अशांति पैदा कर देता है तो पाते हैं कि यह ब्रिटेन की लम्बी अपने साम्राज्य के सूरज को न डूबने देने की भूख थी जिसने भारत सहित कई देशों मे शोषणकारी उपनिवेशवाद पैदा किया। इस दौर की फूट डाल कर राज्य करने की सत्ता का प्रेम विभाजन के बाद भी भारत को अशांत कर

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

रहा है।

इतिहास के संदर्भ मे देखें तो अमेरिका व यूएसएसआर का द्वंद ही तालीबान का उदभव, सीरिया संकट, आदि का कारण बन अशांति लाया। इन दोनों का द्वंद वस्तुत: सत्ता का प्रेम व अपनी सत्ता या विचारधारा का प्रसार का रूप था।

अत: यह स्पष्ट है कि सत्ता के प्रति प्रेम समाजों मे संघर्ष, धार्मिक दंगे, राजनीतिक अस्थिरता या मानव संकट पैदा करती है चाहे वह दो विश्व युद्ध हो या भारत मे 1975 का आपातकाल हो या भारत के पड़ोस के सभी देशों मे होता सैन्य तख्तापलट हो। जो संसार को स्वत:

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

शांति नहीं अशांति का अनुभव कराता है।

ध्यान से सोचे और हम सत्ता की व्याख्या मात्र राजनीतिक सत्ता न करके उदारवादी विस्तार दे तो वस्तुत: सत्ता का प्रेम अपने से कमजोर को दबाने या शोषण या कमजोर मानने का प्रतीक है।

यदि मानव-पर्यावरण संदर्भ मे देखें तो मानव का पर्यावरण को भोग्या मानने की सत्ता रूपी सोच का परिणाम है कि हम बैलगाड़ी से रोबोट 4.0 युग मे तो आ गये हैं लेकिन साथ मे प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, कोविड जैसे अशांतिपरक संकट भी लाये हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

" प्रकृति के पास सभी की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त संसाधन है, लेकिन किसी के भी लालच के लिए नहीं"

महात्मा गांधी की उपरोक्त पंक्तियाँ बताती है कि सत्ता का प्रेम अर्थात प्रकृति के दोहन का लालच को पूरा नहीं किया जा सकता है इससे सर्वनाश होना तय है।

समाज में पुरुष द्वारा महिला पर सत्ता की भूख ही है कि आज हर वर्ष भारत में कोलकाता रेप घटना हो या मणिपुरी महिलाओं के साथ अभद्रता हुआ दुराचार हो, जैसी घटनाऐं घटित होती है, जो हमारे गाँधीजी के सभ्य व शांति अनुभव कराने वाले समाज पर प्रश्न चिह्न

Copyright – Drishti The Vision Foundation

पैदा करती है। आज गाँधीजी होते तो कहते है—

"देश तो आजाद हो गया है
लेकिन लोग पराये है।"

सत्ता के लालच को पैसे / धन के प्रेम पर आरोपित किया जाये तो आज समाज मे व्यापक विषमता, भूख, गरीबी, पलायन का होना इस अशांति की ओर संकेत करता है। सीरिया के एलियान कुर्दी की वायरल मृत तस्वीर जो कि दर्शाती बनता सत्ता की भूख / प्रेम का परिणाम है।

वस्तुत: इसी तरह हम जीवन के हर फलक पर सत्ता के प्रेम से उपजी अशांति को इतिहास व वर्तमान मे महसूस कर सकते है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

विचार का अगला बिंदु यह है कि प्रेम रूपी सत्ता की विजय (सत्ता के प्रति प्रेम पर) कैसे दुनिया को शांति अनुभव करा पायेगी।

आगे बढ़ने से पहले पुनः प्रेम रूपी सत्ता का भावार्थ समझना चाहिए। सामान्य अर्थों में देखें तो प्रेम का तात्पर्य किसी वस्तु, व्यक्ति के प्रति आत्मीय व भावुक लगाव से है।

लेकिन प्रेम को व्यापकता प्रदान की जाये तो यह कबीरदास के विचार 'साईं के सब जीव हैं कीरी कुँजर दोय' को चरितार्थ करती है।

प्रेम की सत्ता में व्यक्ति ईशावास्यमिदं सर्वं (कण कण में ईश्वर है)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

को अनुभव करता है। प्रेम की सत्ता युक्त व्यक्ति प्राणी मात्र के प्रति दयावान, सहनशील, करुणामय, परहितकारी, लालचरहित, नैतिक आचरण युक्त होता है।

अब अगर यदि हम समझे कि कैसे प्रेम रूपी सत्ता की सत्ता के प्रति प्रेम पर विजय कैसे शांति ला सकती है, तो कोई कठिनाई नहीं होगी।

गांधीजी व नेलसन मण्डेला के स्वतंत्रता व समानता के आंदोलन उस मानव मात्र के प्रति प्रेम की सत्ता से प्रेरित थे जिसने समाज मे व विश्व मे शांति का मार्ग प्रशस्त किया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राजनीतिक संदर्भ में देखें तो प्रेम की सत्ता युक्त राजनेता समाज की सेवा की प्रेरणा से तुलसी के रामराज्य के राजा की तरह श्रम करेगा। वह सत्ता के सुख या स्वार्थ से परे रह कृपा होगा। प्रेम की सत्ता की विजय वाला राजा –

"इस मुख के समान होगा जो भोजन ग्रहण करता है लेकिन स्वयं कुछ नहीं रखता बल्कि शेष अंगो (प्रजा) को पहुँचाता है।"

कुछ ऐसी ही प्रवृति हम कलिंग युद्ध के बाद राजा अशोक के धम्म के सिद्धांत व कार्यों में देख पाते हैं। जो शांति का अनुभव कराता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सत्ता की भूख पर प्रेम की सत्ता की विजय प्राप्त अमीर व संपन्न व्यक्ति संपत्ति का भाग ट्रस्टीशिप के रूप में कार्य करेगा तथा लोगों के कल्याण के लिए संसाधनों का प्रयोग करेगा।

इस संदर्भ में भूदान या ग्रामदान का विकल्प हो या बिल व मिलिंडा जैसे दानी हो या कर्ण या दधिची जैसे महापुरुष हो सभी ने या तो संसार में शांति का अनुभव कराया है चाहे उसकी व्यापकता अधिक हो या न हो।

प्रेम की सत्ता की विजय युक्त समाज सहिष्णु, सद्भाव युक्त होगा जो गँगा-जमुना तहजीब व वसुधैव कुटुंबकम

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

का भाव लेकर आगे बढ़ेगा।

प्रेम की सत्ता युक्त व्यक्ति न केवल महिलाओं को सम्मान देगा बल्कि उनको जीवन के हर क्षेत्र मे बराबरी का मौका व हक को स्वत: लेने देगा। भारत के संदर्भ मे 'क्रिस्टीना लिगार्ड' का कहना है कि —

" देश की महिला आबादी को श्रम बल मे बराबर मौका दिया जाये तो 27% की आर्थिक संवृद्धि प्राप्त होगी।"

हम जानते हैं कि यह संवृद्धि न केवल समाज के दूसरे आधे भाग (पुरुष) पर दबाव कम करेगी। बल्कि भारत सहित विकासशील देशों मे अशांति को कम करेगी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वस्तुत: इसी शांति को हम अनुभव कर पायेंगे जब हम सभी पर्यावरण के प्रति अपनी-2 जिम्मेदारी लेंगे। विकसित देशों को अपनी सत्ता की भूख छोड़ अन्य देशों को प्रेमपूर्वक धन, वित्त, प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण जरूरतमंदों को करना चाहिए, ताकि भारत जैसे देश अपने पंचामृत लक्ष्यों को प्राप्त करे व विश्व 1.5° ताप वृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त करे। व जो स्वत: मानव सहित पर्यावरण जगत को भी शांत करेगा। वहीं गौर से देखे तो सत्ता की अंधाधुंध भूख अशांति का कारण है, मात्र सत्ता के प्रति सच्ची निष्ठा नहीं। आज के वैश्वीकरण के दौर में हर आदमी के अंदर राम (प्रेम की शक्ति) व रावण (सत्ता की अंधभूख) दोनो होते हैं, हमे चाहिए की हमारा रामत्व सदैव रावणत्व पर हावी रहे, जिससे सदैव

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-2

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शांति का अनुभव हो व वास्तविकता मे शांति रहे। तब कोई भी सिकंदर बल के दम पर नहीं राजा अशोक की तरह प्रेम की शक्ति के बल पर संसार को शांतिमय बनायेगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सत्ता का प्यार

जब प्रेम रूपी सत्ता > सत्ता का प्रेम

(1) Context → विद्वजन पर अध्ययन

everything is fair in Love and war

सत्ता के प्रति प्रेम से तात्पर्य ? दुविधा से अशांति

सत्ता की भूख

सत्ता का विस्तार

मानव-परमाणु

पुरुष का महिला सत्ता

तालिबान

प्रेम रूपी सत्ता की सत्ता के प्रेम पर विजय और शांति

प्रेम रूपी सत्ता — विस्तार — करुणा, दया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

गांधी जी

भारत के गंगा-जमुनी तहज़ीब

महिला

विफलता

दृष्टि The Vision

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

② "चूँकि हम भावी पीढ़ियों के बारे में नहीं सोचते, इसलिये वे हमें कभी नहीं भूलेंगी।"

Intro: – जंगल में आग लगी – बंदर, चिड़िया

हाल ही के यूरोपियन पक्षी

① पीढ़ियाँ < पास्ट, वर्तमान, भावी — नहीं सोचना का विरोधाभास

② भावी पीढ़ियाँ — नहीं भूलना वस्तुतः याद रखना

③ हम भावी पीढ़ियों के बारे में नहीं सोचते : हमें कैसे याद रखेंगे

- हिटलर (प्रतिबलिदान)
- जलियाँवाला कांड
- प्रथम विश्व युद्ध (1914)
- अंतिम जोकर की मौत 70000 प्रजाति नाश
- एकतरफा ब्रिटिश राज, बंगाल द्वैध शासन
- जलियाँवाला बाग काण्ड
- क्यों नहीं भूलते
- वर्तमान पीढ़ी
- आदिवासि विषमता
- जलवायु परिवर्तन (पारिस्थितिक संकट)
- संसाधन क्षति (Pollution)
- धार्मिक संघर्ष
- राजनीतिक लाभ → विनाशकाल, तानाशाही
- कलकत्ता, दिल्ली, कोहिमा, मणिपुर, हैदराबाद

④ ध्यातव्य है जो सोचते हैं उन्हें याद किया जाता है

- यूरोपीय पक्षी की फॉस्टर पैरेंट
- महात्मा गांधी, बुद्ध, मलाला, ISRO, सैनिकों

⑤ ~~[crossed out]~~

⑥ निष्कर्ष : → चिड़िया के साथ बंदर की कहानी

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-1, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation